अध्याय 54.
संस्थान

1. **संस्थान नामकर्म किसे कहते हैं ?**
   जिस कर्म के उदय से औदारिक आदि शरीर की आकृति बनती है, उसे संस्थान नामकर्म कहते हैं।
2. **संस्थान कितने प्रकार के होते हैं, परिभाषा सहित बताइए ?**
   संस्थान छः प्रकार के होते हैं-
   1. **समचतुरस्र संस्थान** - जिस नाम कर्म के उदय से शरीर की आकृति बिल्कुल ठीक-ठीक बनती है। ऊपर नीचे मध्य में सुंदर हो, उसे समचतुरस्र संस्थान कहते हैं।
   2. **न्यग्रोध परिमंडल संस्थान** - न्यग्रोध नाम वट वृक्ष का है, जिसके उदय से शरीर में नाभि से नीचे का भाग पतला और ऊपर का भाग मोटा हो, उसे न्यग्रोध परिमंडल संस्थान कहते हैं।
   3. **स्वाति संस्थान** - स्वाति नाम वल्मीक (सर्प की बाँबी) या शाल्मली वृक्ष का है। जिसके उदय से शरीर में नाभि से नीचे का भाग मोटा और ऊपर का भाग पतला होता है, उसे स्वाति संस्थान कहते हैं।
   4. **कुब्जक संस्थान** - जिस कर्म के उदय से जीव का शरीर कुबड़ा हो, उसे कुब्जक संस्थान कहते हैं। या जिस कर्म के उदय से शाखाओं में दीर्घता और मध्य भाग में ह्रस्वता होती है, उसे कुब्जक संस्थान कहते हैं। (श्री धवला, पुस्तक-6/34/71)
   5. **वामन संस्थान** - सर्व अङ्ग व उपाङ्गों को जो छोटा बनाने में कारण होता है, उसे वामन संस्थान कहते हैं। या जिस कर्म के उदय से शाखाओं में ह्रस्वता और शरीर के दीर्घता होती है, उसे वामन संस्थान कहते हैं। (श्री धवला, पुस्तक-6/34/72)
   6. **हुण्डक संस्थान** - जिसके उदय से शरीर का आकार बेडौल हो, उसे हुण्डक संस्थान कहते हैं। (राजवार्तिक, 8/11/8)
3. **नरकगति में कौन-सा संस्थान रहता है ?**
   नरकगति में हुण्डक संस्थान रहता है।
4. **तिर्यञ्चगति में कितने संस्थान रहते हैं ?**
   तिर्यञ्चगति में छः संस्थान रहते हैं।
5. **एकेन्द्रिय से असंज्ञी पञ्चेन्द्रिय तक के जीवों में कौन-सा संस्थान रहता है ?**
   एकेन्द्रिय से असंज्ञी पञ्चेन्द्रिय तक के जीवों में हुण्डक संस्थान रहता है।
6. **मनुष्यगति में कितने संस्थान रहते हैं ?**
   मनुष्यगति में छः संस्थान रहते हैं।
7. **देवगति में कौन-सा संस्थान रहता है ?**
   देवगति में समचतुरस्र संस्थान रहता है।

8. तीर्थङ्करों के कौन-सा संस्थान रहता है ?

तीर्थङ्करों के समचतुरस्र संस्थान रहता है।

9. भोगभूमि में कौन-सा संस्थान रहता है ?

भोगभूमि में समचतुरस्र संस्थान रहता है।

10. कौन से संस्थान कौन-कौन से गुणस्थानों तक रहते हैं ?

प्रथम गुणस्थान से तेरहवें गुणस्थान तक सभी छः संस्थान होते हैं, किन्तु एक जीव में एक ही संस्थान रहता है।

अभ्यास

सही या गलत बताइए -

1. सामान्य केवली का हुण्डक संस्थान हो सकता है।
2. हुण्डक संस्थान वाला नरक ही जाता है।
3. समचतुरस्र संस्थान वाला स्वर्ग ही जाता है।
4. समचतुरस्र संस्थान वाला मरणकर हुण्डक संस्थान वाला बन सकता है।
5. चौदहवें गुणस्थान में समचतुरस्र संस्थान भी रहता है।

अन्यत्र खोजिए -

1. आहारक काययोग में कौन-सा संस्थान रहता है ?
2. ऐसे कौन-से जीव हैं। जिनका समचतुरस्र संस्थान है एवं मरण के बाद भी समचतुरस्र संस्थान ही मिलेगा ?